भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 305
गुरूवार, 3 फरवरी, 2022/14 माघ, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

विध्यांचल-कालीखोह-अष्टभुजा त्रिभुज का विकास किया जाना

305#. श्रीमती सीमा द्विवेदीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा मिर्ज़ापुर जिले में विध्यांचल पर्वत और गंगा बीच अवस्थित विख्यात विध्यांचल-कालीखोह-अष्टभुजा त्रिभुज में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निष्पादित किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि मिर्ज़ापुर जिले में छह प्रमुख सुंदर प्राकृतिक झरने हैं;

(ग) यदि हां, तो पर्यटन की दृष्टि से इन्हें विकसित करने के लिए सरकार की योजना क्या है; और

(घ) क्या यह सच है कि सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मिर्ज़ापुर में अवस्थित चूनारगढ़ किले और शिवगढ़ किले को जोड़ने के लिए कोई योजना बनाने पर विचार कर रही है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन का संवर्द्धन और विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है।

पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र रुप से प्रचार करता है इसमें जिला मिर्जापुर भी सम्मिलित है जिसमें झरनों सहित कई पर्यटक आकर्षण हैं। यह संवर्द्धन अतुल्य भारत ब्रांड लाइन के तहत प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियानों, पर्यटन मंत्रालय की वेबसाइट (www.incredibleindia.org) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और भारत एवं विदेश में स्थित भारत पर्यटन कार्यालयों आदि के माध्यम से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक और विरासत संवर्धन अभियान' (प्रसाद) योजनाओं के तहत पर्यटन से संबंधित परियोजनाओं के

लिए राज्य सरकार/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह सहायता राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से प्रदान की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी निधियों के उपयोग आदि के तहत स्वीकृत की जाती है। फिलहाल पर्यटन मंत्रालय पर्यटन संवर्द्धन के लिए मिर्जापुर स्थित चुनारगढ़ किले और शिवगढ़ किले को जोड़ने के किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रहा है।

****